

पाठ्यक्रम के लिए नियम विधि विधायी सभा की अनुमति द्वारा की गई।

04.

वालिंग परीसा पाली के बंदर
पराशा परिणाम में डॉ. अमलनद श्रीपात्र
स्पश्टस्त्रा पराशा उन्धपूर्वक न
तुम्हें एवं को: भाषा पराशा की
(अब) के कुछ जटिल परिणाम नहीं
हैं और उच्चार (हाँग) डॉ. कमलनदय श्री
ने इस सुन्दर में अतिक्रिय संचाल
डॉ. कौ. भू. जीन एवं मे. प. शासन
उच्च छिक्का स- दिक्का निर्देश प्राप्त
करें का उच्चार किया।

05.

शासन द्वारा जारी अधिकारें को 499/9
सी.सी.2017 दिनांक 9.6.18 को
सहस्य द्वारा अनुमोदन किया गया।

06.

✓ अध्यक्ष की अनुमति से ओप जनरिय
सह समन्वयन, डॉ. स्टीफन शुभलाल, न
उन विषयों पर मणिविद्यालय में
शास्त्र नृन्द खोलने की अनुमति
वाही जिन विषयों के प्रियाया
स्थानिक विद्यालय के प्राक्त्यापन के
निर्देशन में शामिल हैं।
मोनीय अतिक्रिय संचालक ने
इस प्रस्ताव के स्वीकृत किया है।

Date

को नवाविद्यालय द्वारा विषय विद्यालय की
जी जाने वाली छोले विषय विद्यालय की
संविधानी मद द्वारा जो राखी है।

7.

बैठक द्वारा डॉ. राजीव जी - निमागाह्य
विषय विद्यालय की शाश्वत विद्यालय एवं
निर्देशन की अनुमति दिक्का दिया गया है।
इस बाबे शास्वत विद्यालय की अनुमति दिक्का दिया गया है।
इस बाबे शास्वत विद्यालय की अनुमति दिक्का दिया गया है।
इस बाबे शास्वत विद्यालय की अनुमति दिक्का दिया गया है।
आमाव डॉ. प्रस्तुत किया।



Date

कु नवा विद्यालय का
दी जाने वाली छात्र
संख्या में छात्र
विद्यालय की
की संख्या
को जो एकत्र है।

कैदियों के अन्त में भटाविष्यालय की प्राच्यार्थी डॉ. जीता श्रीवास्तव छार्क विन्याद बापित किया गया।

~~Approved~~ IS-11-18

ebsite : www.mkbjabalpur.in
e-Mail : hegmkbaaccjab@mp.gov.in

2401300 (O)
Fax : 0761-4002296

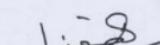
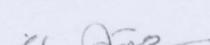
कार्यालय प्राचार्य, शासकीय मानकँवरबाई कला एवं वाणिज्य



जबलपुर, दिनांक : /५/०१/२०१९

सूचना / आदेश

समरत अकादमिक परिषद् (विद्या परिषद) स्टैपिंग कमेटी के सदस्यों को सुनिश्चित किया जाता है कि आज दिनांक 15/01/2019 को प्राचार्य की अध्यक्षता में अपरान्ह 01:00 अतिथि कक्ष में अति आवश्यक बैठक आहत है। सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।



2020-21

Page No.. 89

Date

प्रियोग 08/10/2021 अंते 107
 वॉलिउम एल में अप्र०-४ ३ नजे महाविद्यालय
 की अकादमिक परिषद वॉलिउम अंगठी
 की गई है। वॉलिउम का कार्यवृत्त
 निम्नानुसार है -

अतिथियों का स्वागत एवं परिचय

2. पिछली अकादमिक बैठक के कार्यवृत्त का वाचन
3. विगत अकादमिक परिषद के निर्णयों की सम्पुष्टि
4. विभागाध्यक्षों द्वारा अध्ययन मण्डल की आयोजित बैठकों में किये गये संशोधन एवं नवाचारों की सूचना - पाठ्यक्रम, लघुशोध प्रबंध, सी.बी.सी.एस. पद्धति, नवीन सटीकिंग कोर्सेस, एम.ओ.यू., जैवाति पट्टे
5. समस्त विधयों के स्नातक/स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों की प्रिटिंग एवं पाठ्यक्रमों का महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोडिंग किया जाना।
6. महाविद्यालय के पोर्टल के माध्यम से छात्राओं द्वारा परीक्षा आवेदन भरना एवं शुल्क जमा करना।
7. डिग्री शुल्क महाविद्यालय में ही जमा करने से संबंधित
8. (i) नैक की तैयारी की स्थिति
- (ii) मनोविज्ञान के डिप्लोमा कोर्स से संबंधित
9. महाविद्यालय की रिसर्च पॉलिसी
10. अध्यक्ष की अनुमति से अन्य अकादमिक विषय

@intervened

प्रभारी, स्वशासी समिति

For Observer
प्राचार्य

← 1.2.1_1.2.2.1_com...



Page No. 90

शैक्षणिक परिषद बैठक

आज दिनांक 08/02/2021 दिना सोमवार को अपराह्न 03:00 बजे महाविद्यालय के कक्ष क्रमांक 107 में प्राचार्य की अध्यक्षता में स्वशारी प्रकोष्ठ की शैक्षणिक परिषद (Academic Council) की बैठक आहुत की गई। जिसमें निम्नांकित सदस्य उपस्थित हुए। बैठक में निम्नानुसार बिन्दुओं पर चर्चा की गई -

For *[Signature]*
प्राचार्य/अध्यक्ष

हस्ताक्षर

सदस्यों के नाम

- विश्वविद्यालय प्रतिनिधि : i. प्रो. दिव्या बागची
 आचार्य, बायोसाइंस विभाग
 रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय
 जबलपुर (म.प्र.)
- ii. प्रो. विवेक मिश्र
 आचार्य, राजनीतिशास्त्र विभाग
 रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय
 जबलपुर (म.प्र.)
- iii. प्रो. शीलेष चौधेरी
 आचार्य, अर्थशास्त्र विभाग
 रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय
 जबलपुर (म.प्र.)
- iv. डॉ. नीना उपाध्याय *08/02/21*
- v. डॉ. अर्चना सिंह *08/02/21*
- vi. डॉ. बी.एल. आर्मा *08/02/21*
- vii. डॉ. एम.ए. आरिफ *08/02/21*
- viii. डॉ. सुषमा श्रीवास्तव *08/02/21*
- ix. डॉ. वदना गुप्ता
- x. डॉ. ब्रह्मा नंद त्रिपाठी *for date* *08/02/21*
- xii. डॉ. कल्पना गुप्ता *08/02/21*
- xiii. डॉ. किरण शुक्ला *08/02/21*
- xiv. डॉ. राजीव जैन *08/02/21*
- xv. डॉ. नन्दिनी भारिल *08/02/21*
- प्राचार्य द्वारा नामित सदस्य : डॉ. मनोज प्रियदर्शन *08/02/21*
- विशेष आमत्रित सदस्य : डॉ. रिमता जैन *08/02/21*
- डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव *08/02/21*
- डॉ. जे.के. गुजराल - *08/02/21*
- डॉ. समृति शुक्ला *08/02/21*
- डॉ. ज्योति जाट *08/02/21*

प्रकाश किंगडम डॉ संजय कौर रणवे = कृष्ण

बैठक की कार्यवाही

सत्र 2020-2021

25 of 39

सर्वप्रथम रवाना समिति प्रगारी डॉ. गंगेना चतुर्वेदी ने विभाग अधिकारीका परिषद की बैठक के निर्णयों का याचन किया। तात्पश्यात परिषद के सदस्यों ने उक्त निर्णयों की सम्पुष्टि की।

बैठक की कार्यवाही में प्रथम एजेंडे में गहाविद्यालय को विभिन्न विभागों ने अपने आपने विभागों की अध्ययन मंडल की बैठकों में पारित निर्णयों को निम्नानशाल घरस्त किया।



5. वी.ए./वी.कॉर्ग. तृतीय चर्चा, आधार पाठ्यक्रम प्रश्नपत्र तृतीय कम्प्यूटर के गूल तंत्र एवं सूचना प्रौद्योगिकी में प्रथम इकाई में कम्प्यूटर की वीडियो जोड़ा गया।
6. छात्राओं में नारी शिक्षा एवं नारी राशनिकरण के प्रति रानेतना जाग्रत् करने हेतु एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर, प्रथम प्रश्नपत्र—आधुनिक कविता और उरावग इतिहास में द्रुत पठन के अंतर्गत डॉ. इलाघोष की रचना 'महीयरी' के प्रथम खण्ड 'लोपा मुदा' रचना को को सम्मिलित किया गया एवं डॉ. शरद मिश्रा की रचना "बिटिया की पाती" को सम्मिलित किया गया।
- छात्राओं में पर्यावरण चेतना जाग्रत् करने के लिए एम.ए. प्रथम सेमेस्टर—आधुनिक गद्य का इतिहास के अंतर्गत श्री अमृतलाल येगड़ की रचना —नर्मदा तीरे तीरे' के एक अंश को सम्मिलित किया गया। एम.ए. तृतीय सेमेस्टर प्रथम प्रश्नपत्र में श्री अशोक शाह की रचना 'जंगल राग' को सम्मिलित किया गया।
- छात्राओं में शोध के प्रति अभिरुचि जाग्रत् करने हेतु लघुशोध प्रबंध (डिजर्ट शन) रखा गया जिसमें एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत शोध में रुचि रखने वाली छात्राओं को चारों प्रश्नपत्र में से किसी भी एक प्रश्नपत्र पर आधारित लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करना होगा। छात्रा को उक्त शोध कार्य चारों प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त के रूप में संपन्न करना होगा व इसमें अंक भर्हीं प्रदान किया जाएगा। केवल ग्रेड एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. की योजना के अंतर्गत होने वाले इस शोध कार्य का प्रमाणपत्र आई.क्यू.ए.सी. द्वारा जारी किया जाएगा।
- अकादमिक परिषद हिन्दी विभाग के उल्लंघन समर्त अनुशंसाओं / प्रस्तावों / निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

2. English Department

Dr Archna Singh, Head of the English department during the meeting of Academic council following additions in the under graduate English literature has been made:

In Class – B A part II, Paper I (Drama)

Unit III Addition – Oliver Goldsmith – She stoops to conquer.

Unit IV – Arms and the man

Unit V- J M. Synge, Riders to the Sea.

In Class – B A Part II, Paper II (Fiction)

Unit IV- Return of the Native

Unit V – A Room of One's Own



B A Part III , Paper II, Unit V

Vijay Tendulkar- Silence, The court is in Session

With an aim to develop the research acumen of the students of department of English offers Dissertation as an additional assignment for P G students in their III and IV Semester. The allotment of the assignment shall be subject to their academic performance in I and II Semester. The students will work under the supervision of the faculty. Successful students shall be provided with grants that may be displayed on their final semester mark sheets.

The English department also proposed that a Three Months Certificate Course in Proficiency in Spoken English Level -I be started. Looking to the needs of Industry and the fact that the prominent feeder institutions for admission course has been duly approved by the BOS English impart education in Hindi medium this level I course seems worthwhile. The course has been duly approved in the BOS of English department.

The academic council permits the above proposal / additions of English department.

3. स्नातक एवं स्नातकोत्तर उर्दू साहित्य विभाग

उर्दू विभाग के अध्यक्ष डॉ एम. ए. आरिफ ने बताया कि उर्दू विभाग में उर्दू विषय अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 31/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए – बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष का केन्द्रीय अध्ययन मण्डल से पारित पाठ्यक्रम को 2020–2021 हेतु लागू करने की अनुशंसा की गई। प्रत्येक वर्षासाथ में एक प्रोजेक्ट छात्राओं को करवाए जाने की अनुशंसा भी की गई।

एम.ए. प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम को भी पूर्व की भाँति यथावत् रखा एवं सत्र 2020–2021 में यथावत् लागू करने की अनुशंसा की गई।

छात्राओं में शोध के प्रति अभिरुचि जाग्रत् करने हेतु लघुशोध प्रबन्ध (डिजर्टेशन) रखा गया एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत शोध में रुचि रखने वाली छात्राओं को चारों प्रश्नपत्र में भी एक प्रश्नपत्र पर आधारित लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करना होगा। छात्रा को उक्त भोध के प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त के रूप में संपन्न करना होगा व इसमें अंक नहीं प्रदान किया केवल ग्रेड एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. की योजना व होने वाले इस शोध कार्य का प्रमाणपत्र आई.क्यू.ए.सी. द्वारा जारी किया जाएगा।



Course in Proficiency in Spoken English Level -I be started. Looking to the needs of Industry and the fact that the prominent feeder institutions for admission course has been duly approved by the BOS English impart education in Hindi medium this level I course seems worthwhile. The course has been duly approved in the BOS of English department.

The academic council permits the above proposal / additions of English department.

3. स्नातक एवं स्नातकोत्तर उर्दू साहित्य विभाग

उर्दू विभाग के अध्यक्ष डॉ एम. ए. आरिफ ने बताया कि उर्दू विभाग में उर्दू विषय अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 31/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए -
बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष का केन्द्रीय अध्ययन मण्डल से पारित पाठ्यक्रम को 2020-2021 हेतु लागू करने की अनुशंसा की गई। प्रत्येक वलास में एक प्रोजेक्ट छात्राओं के करवाए जाने की अनुशंसा भी की गई।

एम.ए. प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के पाठ्यक्रम को भी पूर्व की भाँति यथावत् रखा जाना चाहिए। इसके अलावा, इन वर्षों में लागू करने की अनुशंसा की गई।

छात्राओं में शोध के प्रति अभिरुचि जाग्रत् करने हेतु लघुशोध प्रबन्ध (डिजर्टेशन) रखा गया एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के अंतर्गत शोध में रुचि रखने वाली छात्राओं को चारों प्रश्नपत्र में भी एक प्रश्नपत्र पर आधारित लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करना होगा। छात्रा को उक्त भोध प्रश्नपत्रों के अतिरिक्त के रूप में संपन्न करना होगा व इसमें अंक नहीं प्रदान किया केवल ग्रेड एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा महाविद्यालय के आई.क्यू.ए.सी. की योजना होने वाले इस शोध कार्य का प्रमाणपत्र आई.क्यू.ए.सी. द्वारा जारी किया जाएगा।

3114

अकादमिक परिषद उर्दू विभाग के उपर समर्त अनुशंसाओं / प्रतावों / निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

4. रनातक संस्कृत विभाग

संस्कृत विभाग के अध्यक्ष डॉ. आर्गो ने बताया कि संस्कृत विभाग में संस्कृत विप्रय व
नव्ययन मण्डल वरी हीठक दिनांक 15 / 12 / 2002 ते

1. बी.ए. प्रथम वर्ष के संस्कृत पाठ्यक्रम द्विप्रश्नपत्रीय पाठ्यक्रम प्रणाली का पाठ्यक्रम को 2020-2021 में यथावत रखा गया है।

2. बी.ए. द्वितीय वर्ष के प्रथम प्रश्नपत्र के पाठ्यक्रम में इकाई-तीन में भारतीय संस्कृत अंतर्गत 'वर्णाश्रम व्यवस्था' 'पुरुषार्थ' तथा 'भारतीय कला एवं तकनीकि विज्ञान' शीर्षक जोड़े गये हैं। (संग्रहीत 15/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित नियम लिए गए)



प्रस्तावों/निर्णयों को अकादमिक परिषद मान्य कर पारित करती है।

6. स्नातक एवं स्नातकोत्तर भूगोल विभाग

भूगोल विभाग में भूगोल विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए -

- बी.ए. प्रथम वर्ष भूगोल, बी.ए. द्वितीय वर्ष एवं बी.ए. तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम में कुछ महत्वपूर्ण प्रकरण संलग्न करने की अनुशंसा की गयी। सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक दोनों पाठ्यक्रमों की अनुशंसा की गयी।
 - एम.ए. प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्यक्रम का अनुमोदन हेतु अनुशंसा की गयी।
 - प्रायोगिक अध्ययन मण्डल के अन्तर्गत भौगोलिक भ्रमण हेतु छात्राओं को शहर से बाहर पर्यटन स्थलों, वन अभ्यारण्यों, राज्यीय उद्यानों आदि का चयन कर प्रतिवर्ष बाहर ले जाया जाए जिससे छात्राओं में भौगोलिक ज्ञान के साथ-साथ पर्यावरण एवं पर्यटन स्थलों के विकास एवं सरक्षण का ज्ञान हो सके।

कराया जाए तथा प्रभाव
न को विभाग में दिया जाएगा।

5. रनातक रतर पर भी छात्राओं को श्रीत्रीय अध्ययन हेतु प्रेरित किया जाए एवं छात्राओं को महाविद्यालय से बाहर भ्रमण पर सर्वेक्षण कार्य हेतु से जाने की अनुशंसा नींगी गयी तथा निर्देशित किया गया कि उनका प्रतिवेदन भी शोध रक्खा होगा चाहिए जिससे रनातकोत्तर रतर पर शोध प्रवर्धन तैयार कर सके।

6. प्रत्येक सत्र में विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर गहलतपूर्ण विषयों पर व्याख्यान गाला, संगोष्ठी इत्यादि आयोजित करने की अनुशंसा की गई।

अकादमिक परिवद्ध भूगोल विभाग के उच्चत समर्त अनुशंसाओं / प्ररताओं / निर्णयों को मान्य करते हुए मारित करती है।

7. स्नातक एवं स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग

समाज आस्त्र विभाग की अध्यक्ष डॉ. सुषमा श्रीवारत्न ने कहा कि 'समाजशास्त्र विभाग' में समाजशास्त्र विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 11/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए -

- सत्र 2018–19 में एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में वैकल्पिक प्रश्नपत्र 'सामाजिक जननीकी' के रथान पर "औद्योगिक समाजशास्त्र" प्रश्नपत्र अनुमोदित किया गया।
 - सत्र 2019–20 में स्नातकोत्तर रत्न पर निलंबित प्रश्नपत्र में आंशिक संशोधन करते अनुमोदित कराया गया।

१. एम.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर में प्रथम प्रश्नपत्र 'आस्तीच समाजशास्त्रीय परम्परा' में जाने वाले विचारकों की निरन्तरता हेतु एक ही सेमेस्टर में शामिल कर अनुमोदित कराया।



8. स्नातक एवं स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग

अर्थशास्त्र विभाग की ओर से डॉ. गुजराल ने कहा कि अर्थशास्त्र विभाग में अर्थशास्त्र विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 14/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए -

1. स्नातक कक्षाओं बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के प्रथम एवं द्वितीय प्रश्नपत्रों का अध्यापन केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित वार्षिक परीक्षाओं पर आधारित पाठ्यक्रम के अनुसार होगा।
2. एम.ए. में वैकल्पिक प्रश्नपत्रों में जैडर इकॉनामिक्स प्रश्नपत्र को लागू करने का प्रस्ताव रखा गया। महिला सशक्तिकरण, आत्मनिर्भरता, महिला श्रम जैसे विषयों को ध्यान में रखते हुए इस प्रश्नपत्र का चुनाव किया गया।
3. पर्यावरण जागरूकता से संबंधित गतिविधियों का संचालन स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र परिषद् द्वारा अनिवार्यता किया जाएगा।
4. वैकल्पिक प्रश्नपत्र में औद्योगिक अर्थशास्त्र के अंतर्गत एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षा को औद्योगिक भ्रमण हेतु ले जानाया जाएगा, सी.सी.ई. के प्राप्तांक छात्राओं के सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर दिए जायेंगे।
5. वैकल्पिक प्रश्नपत्रों के अंतर्गत कृषि अर्थशास्त्र प्रश्नपत्र में भी किसानों की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति का एक सर्वेक्षण करवाया जाएगा। सी.सी.ई. के प्राप्तांक सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर दिये जायेंगे।

- । //

अकादमिक परिषद् अर्थशास्त्र विभाग के उक्त समस्त अनुशंसाओं /प्रस्तावों/ निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

9. स्नातक एवं स्नातकोत्तर इतिहास विभाग

इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. वंदना गुप्ता ने बताया कि इतिहास विभाग में इतिहास विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए -

1. बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम जो केन्द्रीय अध्ययन मण्डल भोपाल द्वारा अनुशंसित हैं इन्हें यथावत् लागू करने पर समर्ति व्यक्त की गई। महाविद्यालयीन आन्तरिक गुणवत्ता आश्वरित प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) के निर्देशानुसार वर्तमान सत्र 2020–2021 से स्नातक अन्तिम वर्ष की छात्राओं को प्रोजेक्ट कार्य करना अनिवार्य है। इसका उल्लेख अंकसूची में भी ग्रेड देकर किया जावेगा।
2. एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में 'लघु शोध प्रबंध' ऐच्छिक रूप से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य छात्राओं में शोध प्रवृत्ति को जागृत करना है। यह समर्त प्रश्नपत्रों के अध्ययन के साथ पूर्णतः ऐच्छिक है।
3. म.प्र. शासन उच्च विद्यालय विभाग के निर्देशानुसार आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिये गये थे। जिसके तहत इतिहास विभाग ने स्नातकोत्तर तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में ऐच्छिक प्रश्नपत्र 'भारत में राज्य' के रथान पर 'पर्यटन में ऐच्छिक अनुप्रयोग' (Historical Application in Tourism) 2021–22 से प्रारम्भ किया जा किया है। इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य छात्राओं को ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों विशेष रूप के स्थलों के बारे में अवगत कराना एवं इसके साथ ही पर्यटन को प्रोत्साहन देना है।



अकादमिक परिषद अर्थशास्त्र विभाग के उक्त समस्त अनुशंसाओं / प्रस्तावों / निर्णयों को मान्य करते हुए पारित करती है।

9. स्नातक एवं स्नातकोत्तर इतिहास विभाग

इतिहास विभाग की अध्यक्ष डॉ. चंदना गुप्ता ने बताया कि इतिहास विभाग में इतिहास विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

- बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम जो केन्द्रीय अध्ययन मण्डल भोपाल द्वारा अनुशंसित हैं इन्हें यथावत् लागू करने पर सहमति व्यक्त की गई। महाविद्यालयीन आन्तरिक गुणवत्ता आशयरित प्रकोष्ठ (आई.क्यू.ए.सी.) के निर्देशानुसार वर्तमान सत्र 2020–21 से स्नातक अन्तिम वर्ष की छात्राओं को प्रोजेक्ट कार्य करना अनिवार्य है। इसका उल्लेख अंकसूची में भी गेड देकर किया जावेगा।
- एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में 'लघु शोध प्रबन्ध' ऐच्छिक रूप से जोड़ा गया है। इसका उद्देश्य छात्राओं में शोध प्रवृत्ति को जागृत करना है। यह समरत प्रश्नपत्रों के अध्ययन के साथ पूर्णतः ऐच्छिक है।
- म.प्र. शासन उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार आत्मनिर्भर भारत के अंतर्गत रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम तैयार करने के निर्देश दिये गये थे। जिसके तहत इतिहास विभाग ने स्नातकोत्तर तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर में ऐच्छिक प्रश्नपत्र 'भारत में राज्य' के रूपान्तर पर 'पर्यटन में ऐतिहासिक अनुप्रयोग' (Historical Application in Tourism) सत्र 2021–22 से प्रारम्भ किया जाना प्रस्तावित किया है। इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य छात्राओं को ऐतिहासिक पर्यटन स्थलों विशेष रूप से मृद्युप्रदेश के स्थलों के बारे में अवगत करना एवं इसके साथ ही पर्यटन को प्रोत्साहन देना है।

10. स्नातक प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व

इतिहास विभाग में प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

- केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा अनुशंसित स्नातक सत्र बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष में प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विषय के पाठ्यक्रम को आशिक संशोधन के साथ विगत सत्र में अनुशंसित किया गया था को यथावत् लागू करने की अनुशंसा की गई।
- वर्तमान सत्र से स्नातक अन्तिम वर्ष में महाविद्यालयीन आई.क्यू.ए.सी. के निर्देशानुसार प्रोजेक्ट कार्य अनिवार्य किया जाता है। इसका उल्लेख छात्राओं की अंकसूची में भी गेड देकर किया जावेगा।

11. स्नातक एवं स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग

8 | 14

दर्शनशास्त्र विभाग में दर्शनशास्त्र विषय की अध्यायन मण्डल की बैठक दिनांक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए –

- एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र ('भारतीय नीतिशास्त्र' की प्रश्नाएँ इकाई में "वैदिक दर्शन में पर्यावरणीय चेतना" शीर्षक जोड़ा गया।)
- एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र ('धर्मदर्शन') की पांचवीं इकाई में "लिंगभोग व भूषण इत्याः विभिन्न धार्मिक दृष्टिकोण" शीर्षक जोड़ा गया।)
- एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र की इकाई प्रश्नाएँ में "समकालीन भारतीय वित्तन में नाशी शिक्षा" शीर्षक जोड़ा गया। शेष पाठ्यक्रम यथावत् रहेगा।)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2020–21 में 'Yogic Philosophy and Practices' का सर्टिफिकेट कोर्स 33 of 39 गत रखा गया। कोर्स की अवधि होगी तथा कोर्स शुल्क 500/- प्रति छात्र होगा। प्रारंभ में 30 सीटों का प्रक्रिया गया जिसमें उत्तरोत्तर वृद्धि की जा सकेगा। परीक्षा में कुल अंक 250 होंगे जिसमें 150 अंकद्वान्तिक परीक्षा हेतु एवं 100 अंक प्रायोगिक परीक्षा में होंगे। उक्त कोर्स का संचालन महाविद्यालय



दर्शनशास्त्र विभाग में दर्शनशास्त्र विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 10/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए -

1. एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र (गारतीय नीतिशास्त्र की प्रथा) इकाई में "वैदिक दर्शन में पर्यावरणीय जीतना" शीर्षक जोड़ा गया।
2. एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के द्वितीय प्रश्नपत्र (धर्मदर्शन) की पांचवीं इकाई में "लिंगार्थ य धूष इत्यादि विभिन्न धार्मिक दृष्टिकोण" शीर्षक जोड़ा गया।
3. एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के चतुर्थ प्रश्नपत्र की इकाई प्रथम में "समग्रलीन भारतीय चिंतन में नाशीका" शीर्षक जोड़ा गया। शेष पाठ्यक्रम यथावत् रहेगा।

अध्ययन मण्डल के सदस्यों द्वारा यह निर्णय लिया गया कि वर्ष 2020-2021 में Yogic Philosophy and Practices का सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ करने का प्रस्ताव रखा गया। कोर्स की अवधि 3 माह होंगी तथा कोर्स शुल्क 500/- प्रति छात्रा होगा। पाठ्यक्रम में प्रारंभ में 30 सीटों का प्रावधान किया गया जिसमें उत्तरोत्तर वृद्धि की जा सकेगा। परीक्षा में कुल अंक 250 होंगे जिसमें 150 अंक सैक्षात्कृत परीक्षा हेतु एवं 100 अंक प्रायोगिक परीक्षा में होंगे। उक्त कोर्स का संचालन महाविद्यालय के क्रीड़ा विभाग द्वारा किया जाएगा।

उक्त कोर्स को 2021-2022 से लागू करने हेतु अनुमति प्रदान करती है।

12. स्नातक एवं स्नातकोत्तर राजनीतिशास्त्र विभाग

राजनीतिशास्त्र विभाग में राजनीतिशास्त्र विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 08/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए -

1. स्नातक रत्तर के पाठ्यक्रम को केन्द्रीय अध्ययन मण्डल भोपाल द्वारा अनुशंसित किये गये को यथावत् रखा गया।
2. स्नातकोत्तर रत्तर के समस्त सेमेस्टरों के पाठ्यक्रमों को पूर्व की भाँति इस सत्र में भी यथावत् रखा गया है।
3. छात्राएँ एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर में शोध के प्रति रुचि जागृत करने हेतु चार पेपर के अतिरिक्त वैकल्पिक विषय के रूप में लघुशोध प्रबंध ले सकती हैं।

अकादमिक परिषद् निर्णय करती है कि इसमें ग्रेड प्रदान किया जाये एवं एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की योजना को सत्र 2021-22 से लागू की की अनुशंसा करती है।

वा।।।

13. स्नातक रत्तर (कला संकाय) : कम्प्यूटर एप्लीकेशन

भूगोल विभाग में कम्प्यूटर एप्लीकेशन विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 15/02/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए -

1. बी.ए. प्रथम वर्ष एवं द्वितीय वर्ष कम्प्यूटर एप्लीकेशन के पाठ्यक्रम का अनुमोदन किया गया।
2. बी.ए. प्रथम वर्ष में चर्चा उपरान्त विशेषज्ञों द्वारा Multimedea and CorelDraw पर व्याख्यान आयोजित कराने की अनुशंसा की गयी तथा पांचवीं यूनिट में जोड़ा जाए।
3. बी.ए. द्वितीय वर्ष में Networking (Hardware) and E-Commerce पर विषय विशेषज्ञों को आमंत्रित कर व्याख्यान कराया जाए तथा पाठ्यक्रम में प्रथम इकाई में जोड़ा जाए। अनुशंसा की गयी।
4. बी.ए. तृतीय वर्ष में Digital Marketing पर प्रायोगिक अध्ययन हेतु विशेष बल दिये जाने की अनुशंसा की गयी।

अकादमिक परिषद् उक्त अनुशंसाओं को मान्य कर प्रस्तावों को पारित करती है।



14. स्नातक एवं स्नातकोत्तर चित्रकला विभाग

चित्रकला विभाग में चित्रकला विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 11/12/2020 के

- हुए सर्वसम्मति से रवीकृति प्रदान की।
5. पूर्वानुसार भूतपूर्व छात्राओं द्वारा निशुल्क कल्पि प्रशिक्षण अध्ययनरत् छात्राओं हेतु किया जाए इसकी
अनुशंसा की गई।
- अकादमिक परिषद् उक्त अनुशंसाओं को मान्य कर पारित करती है।

15. स्नातक गृहविज्ञान विभाग

गृहविज्ञान विभाग में गृहविज्ञान विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 21/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए —

- बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रम जो कि केन्द्रीय अध्ययन मण्डल द्वारा रवीकृत हैं उस पर चर्चा कर उन्हें रखीकृत किया गया।
- बी.ए. के तीनों वर्षों में प्रोजेक्ट कार्य करवाये जाने की अनुशंसा की गई।
- प्रायोगिक कक्षाओं में विभिन्न संरक्षणों की विजिट रखी गई।**
- डे केयर सेन्टर, खाद्य संरक्षण एवं हेन्डलूम हाउस शासकीय/निजी, एन.जी.ओ. द्वारा संचालित हो वहां विजिट के लिए ले जाना।

अकादमिक परिषद् बी.ए. के तीनों वर्षों में प्रोजेक्ट कार्य करवाए जाने के प्रस्ताव को मान्य कर पारित करती है।

16. स्नातक एवं स्नातकोत्तर संगीत विभाग

संगीत विभाग में संगीत विषय की अध्ययन मण्डल की बैठक दिनांक 14/12/2020 के अनुसार निम्नलिखित निर्णय लिए गए —

- स्नातक स्तर पर बी.ए. प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के पाठ्यक्रमों को यथावत् रखा गया।
- बी.ए. तृतीय वर्ष के प्रथम प्रश्नपत्र के पंचम इकाई में महिला संगीतकारों के संगीत के क्षेत्र में योगदान को पूर्व से ही सम्मिलित किया जा चुका है।
- स्नातकोत्तर कक्षाओं में भी महिला संगीतकारों को संगीत के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए पाठ्यक्रम में पूर्व से ही सम्मिलित किया जा चुका है उसे पुनः रखीकृत/अनुमोदित किया गया।
- स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम को यथावत् रखा गया है।
- संगीत विषय पूर्णतः प्रायोगिक होने के कारण तबला संगतकारों की नियुक्ति होना अत्यंत आवश्यक है तबला संगतकारों के अभाव में पाठ्यक्रम पूर्ण करना असंभव होता है यह विचार सभी सदस्यों द्वारा पुनः व्यक्त किया गया। अकादमिक परिषद् तबला संगतकारों की नियुक्ति की अनुशंसा करती है।



हुए पारित किया।

- क 2 महाविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. संजयकांत खरे प्रस्ताव रखते हुए कहा कि समस्त विषयों के स्नातक व स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों को प्रिंट करा कर महाविद्यालय की ऐबराइट पर अपलोड किया जाना है। उक्त प्रस्ताव को को सर्वसम्मिति से पारित किया गया।
- क 3 डॉ. खरे ने छात्राओं द्वारा महाविद्यालय के पोर्टल के माध्यम से परीक्षा आवेदन भरना एवं शुल्क जमा करने की व्यवस्था लागू करने का प्रस्ताव रखा। साथ ही उन्होंने महाविद्यालय की प्राचार्य के निर्देशानुसार स्नातक / स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष / सेमेस्टर की छात्राओं से डिग्री शुल्क महाविद्यालय में जमा करवाने का प्रस्ताव रखा। उक्त प्रस्ताव को भी अकादमिक परिषद ने पारित किया।
- क 4.1 महाविद्यालय का तृतीय चक का नैक निरीक्षण सत्र 2020-21 में होना है। महाविद्यालय के गुणवत्ता आश्वरित प्रकोष्ठ की समन्वयक डॉ. सुधा मेहता ने सत्र 2015-16 से लेकर सत्र 2018-19 तक नेक वैगलोर को प्रेषित ए. ब्यू. आर. को अकादमिक परिषद के समक्ष रखा। डा. सुधा मेहता ने सूचित किया कि सत्र 2019-20 की ए. ब्यू. आर उक्त सत्र की आईटी रिपोर्ट प्राप्त होते नेक को प्रेषित की जाएगी। अकादमिक परिषद ने, वि. द्वारा नामित सदस्यों डॉ. शैलेश चौधे तथा डॉ. विषेक मिश्रा ने नैक के उक्त निरीक्षण हेतु समन्वित प्रयास किए जाने पर बल दिया।

12/14

बिन्दु ग्र मांक 09 के अंतर्गत महाविद्यालय की रिसर्च पॉलिरी को प्रस्तुत करते हुए छात्राओं को शोध हेतु प्रेरित करना सारा उद्देश्य होना चाहिए। महाविद्यालय के प्राच्यापकों के शोधग्रंथों व महाविद्यालय की ऐबराइट में अपलोड करना होगा। महाविद्यालय के प्राच्यापकों के अंतर्गत शोध कर रहे प्रत्येक शोधार्थी को 1000/- रु. शुल्क महाविद्यालय में जागा करने की अनुशंसा करती है।

डॉ. विषेक गिशा ने कहा कि शोध के संदर्भ में राजनीतिक/राजनीतिक/आर्थिक घटनाओं का सूधार निरीक्षण किया जाना आवश्यक है। विद्यार्थी परेशान है, उसी बाहर सामिद्धान और मानवाधिकार दृष्टिगोचर नहीं हो रहे हैं। समाज और कक्षाओं में समाजरक्षण होना आवश्यक है। विद्यार्थी को डिग्री प्रदान करना ही काफी नहीं है उसका चहुँ मुखी विकास हो, शिक्षक को ऐसा प्रयास करना चाहिए कि विद्यार्थियों से स्थानीय क्षेत्र से संबंधित विषयों पर चर्चा की जाना आवश्यक है। अतएव डॉ. मिश्रा ने महाविद्यालय की रिसर्च पॉलिरी बनाने हेतु और अधिक गंभीर विचार-विमर्श की आवश्यकता व्यक्त की।

डॉ. शैलेश चौधे ने कहा कि सभी को नैक संबंधी एवंट करना है। पररपर सहयोग करते हैं। शोध हेतु अपने शहर की समस्याओं को बच्चों के माध्यम से पहचानने की आवश्यकता है। बच्चों के माध्यम से असामाजिक तत्वों के पहचान करना आवश्यक है। बच्चों के माता-पिता से भी फीडबैक प्राप्त किया जाना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि प्रोजेक्ट, शोध और प्रसार शिक्षा के साथ-साथ विभिन्न शिक्षा संस्थाओं के साथ समझौता ज्ञापन (MOU) किया जाना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। महाविद्यालय की शोध-नीति को और अधिक भाँ जाने की जरूरत है तभी उसे लागू किया जाना चाहिए। तत्पश्चात् उक्त नीति को अकादमिक परिषद् की आगामी बैठक में पारित करने हेतु प्रस्तुत किया जाए।

अकादमिक परिषद विभागों द्वारा पाठ्य क्रम में जोड़े गए पाठी/अध्याय को सत्र 2020-2021 से लागू करने हेतु अनुमत करती है। अकादमिक परिषद विभागों द्वारा लघु शोध प्रबंध, प्रोजेक्ट कार्य तथा सर्टिफिकेट कोर्स के प्रस्तावों को सत्र 2021-22 से लागू करने की अनुमति प्रदान करती है।

प्राचार्य की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा:

श्री वीरसिंह द्वारा दिये गये प्रस्ताव के अनुसार महाविद्यालय में पूर्व में पदरथ प्राचार्य (श्रीमती) एनेस ठाकुर के पति श्री वीरसिंह द्वारा रव. एनेस ठाकुर की स्नातकोत्तर इतिहास की विषय की एक निर्धन छात्रा को Merit Cum Means Scholarship पर रु. 1,00,000/- से प्राप्त व्याज की राशि से प्रतिवर्ष देने हेतु आयोग



सुनिश्चित किया जाना चाहिए। महाविद्यालय की शोध-नीति को और आधक भा जन का जरूरत ह तभी उसे लागू किया जाना चाहिए। तत्पश्चात् उवत नीति को अकादमिक परिषद् की आगामी बैठक में पारित करने हेतु प्रस्तुत किया जाए।

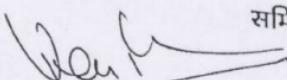
अकादमिक परिषद विभागों द्वारा पाठ्य क्रम में जोड़े गए पाठ्य/अध्याय को सत्र 2020-2021 से लागू करने हेतु अनुमति करती है। अकादमिक परिषद विभागों द्वारा लघु शोध प्रबंध, प्रोजेक्ट कार्य तथा सर्टिफिकेट कोर्स के प्रस्तावों को सत्र 2021-22 से लागू करने की अनुमति प्रदान करती है।

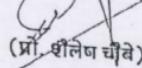
प्राचार्य की अनुमति से अन्य विषयों पर चर्चा:

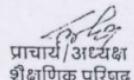
श्री वीरसिंह द्वारा दिये गये प्रस्ताव के अनुसार महाविद्यालय में पूर्व में पदरथ प्राचार्य ख. (श्रीमती) एनेस ठाकुर के पति श्री वीरसिंह द्वारा ख. एनेस ठाकुर की स्मृति में स्नातको टाइ इतिहास की विषय की एक निर्धन छात्रा को Merit Cum Means Scholarship आधार पर रु. एक लाख (1,00,000/-) से प्राप्त ब्याज की राशि से प्रतिवर्ष देने हेतु आवेदन

12 | 14

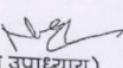
नयन झाँटेहास विभाग द्वारा दिया जाएगा एवं डॉ. एनेस ठाकुर की पुरताक, रेता, अलगारी मान्य करते हुए अनुगति प्रदान करती है।

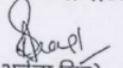

(प्रो. विवेक मिश्र)
सदस्य
शैक्षणिक परिषद्

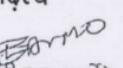

(प्रो. शीलेश चौधरी)
सदस्य
शैक्षणिक परिषद्

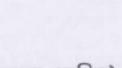

प्राचार्य/अध्यक्ष
शैक्षणिक परिषद्

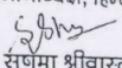
समस्त विभागाध्यक्ष - सदस्य

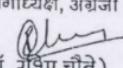

(डॉ. नीना उपाध्याय)
विभागाध्यक्ष, हिन्दी

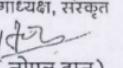

(डॉ. अर्चना सिंह)
विभागाध्यक्ष, अंग्रेजी

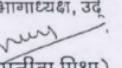

(डॉ. बी.एल. आर्मर)
विभागाध्यक्ष, संस्कृत

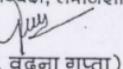

(डॉ. एम.ए. आरिफ)
विभागाध्यक्ष, उर्दू

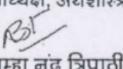

(डॉ. सुरेन्द्र श्रीवास्तव)
विभागाध्यक्ष, समाजशास्त्र

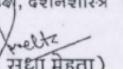

(डॉ. रिशभ चौधरी)
विभागाध्यक्ष, अधिशास्त्र विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र

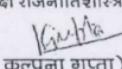

(डॉ. नूरुल दान)
विभागाध्यक्ष, दर्शनशास्त्र

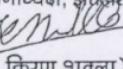

(डॉ. सुनीता मिश्र)
विभागाध्यक्ष राजनीतिशास्त्र

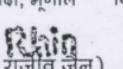

(डॉ. वंदना गुप्ता)
विभागाध्यक्ष, इतिहास

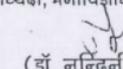

(डॉ. ब्रह्मा नंद पटेल)
विभागाध्यक्ष, भूगोल


(डॉ. सुधा मेहता)
विभागाध्यक्ष, मनोविज्ञान

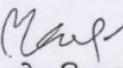

(डॉ. कल्पना गुप्ता)
विभागाध्यक्ष, गृहविज्ञान

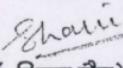

(डॉ. किरण शुक्ला)
विभागाध्यक्ष, चित्रकला


(डॉ. राजीव जेन)
विभागाध्यक्ष, संगीत

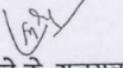

(डॉ. नन्दिनी भारिल)
विभागाध्यक्ष, वाणिज्य

प्राचार्य द्वारा नामित सदस्य

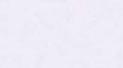

(डॉ. मनोज प्रियदर्शन)
उप परीक्षा नियंत्रक


(डॉ. स्मिता जैन)
प्राध्यापक, मनोविज्ञान

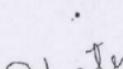

(डॉ. आर.एन. श्रीवास्तव)
प्राध्यापक, इतिहास

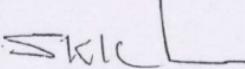

(डॉ. जे.के. गुजराल)
प्राध्यापक, अर्थशास्त्र

विशेष आर्मत्रित


(डॉ. दीपक श्रीवास्तव)
प्राध्यापक, राजनीतिशास्त्र

39 of 39


(डॉ. अर्चना चतुर्वेदी)


(संजय कान्त खरे)

